

Dr•Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
P.G.Deptt.of Psychology
Maharaja College Ara
Date; 1/11/2025
Class: P.G Semester - 3rd
(C.C-12)
Educational Psychology,

Topic -

विशिष्ट या असाधारण बालकों के अर्थ एवं विशेषतायें
(Meaning) and characteristics of exceptional children

बच्चे या वयस्क जिनमें अतिविशिष्ट क्षमता पायी जाती है तथा जिनका कार्य निष्पादन (performance) दूसरे बच्चों की तुलना में अति उच्च स्तर का होता है, विशिष्ट या असाधारण बालक कहे जाते हैं। ऐसे बच्चे सामान्य बच्चों से बिल्कुल भिन्न होते हैं। दूसरे शब्दों में, ऐसे बच्चे, जिनका विचलन सामान्य से बहुत ज्यादा होता है, असाधारण या विशिष्ट कहे जाते हैं। यह विचलन (deviation) स्पष्ट रूप से सामान्य से ऊपर भी होती है और नीचे भी। शारीरिक क्षमता के आधार पर हमें कई ऐसे विशिष्ट बच्चे मिलते हैं, जिसकी लम्बाई, बजन, वृद्धि, शारीरिक क्षमता निस्संदेह रूप से असाधारण होती है या फिर Negative नाटे कद के बौने अत्यधिक दुबले-पतले) रूप से असाधारण बच्चे ऐसे बालक जिनका विचलन सामान्य से बहुत ऊपर होता है, उनकी बुद्धि उपलब्धि बहुत अधिक होती है (140 या उससे ऊपर) किसी भी विद्या में सृजनात्मक पायी जाती है (creative), उनमें नेतृत्व गुण भरपूर मात्रा में होते हैं और किसी भी शैक्षिक क्षेत्र में अतुलनीय क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। दूसरे शब्दों में, उनकी बुद्धि विलक्षण होती है, किसी भी वाद्ययंत्र या संगीत में अपने उम्र से अधिक योग्यता का प्रदर्शन करते हैं, अंकगणितीय प्रतिभा अतुलनीय होती है और भाषा पर पूर्ण अधिकार होता है।

दूसरी तरह के बालकों में, जिनका विचलन सामान्य से नीचे होता है, उनके शारीरिक व मानसिक विकास में, मानसिक क्षमता में, सामाजिक व्यवहार में, संवेगात्मक प्रतिक्रिया में स्पष्ट रूप से कमी पायी जाती है जिससे उनके सफल अभियोजन में बाधा आती है। दूसरे शब्दों में, इन्हें असाधारण इसलिए कहते हैं क्योंकि उन्हें सीखने में असमर्थता का अनुभव होता है। दूसरों के साथ विचार विमर्श, संचार एवं अन्तः क्रिया में असफल होते हैं, (communication disorder) । उनमें व्यवहारिक एवं संवेगात्मक दोष पाये जाते हैं। कुछ मानसिक एवं शारीरिक रूप से अयोग्य या क्षतिग्रस्त (impaired) होते हैं। अलग-अलग मनोवैज्ञानिकों ने इसे अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया है। क्रिक एवं गालाघर (Krik & Gallagher-1979) के अनुसार "वैसे बालक जो औसत या सामान्य बालक से (i) मानसिक गुणों में (ii) ज्ञानात्मक क्षमताओं में (iii) न्यूरोक्रियात्मक या शारीरिक गुणों में, (iv) बहुविकलांगता में विचलित होते हैं, विशिष्ट बालक कहलाते हैं।" टेलफोर्ड (Telford-1977) ने भी अपने विचार कुछ इसी तरह प्रकट किये हैं। "विशिष्ट या असाधारण से तात्पर्य उन बालकों से है जो सामान्य बच्चों से शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक या सामाजिक विशेषताओं के आधार पर इस हद तक विचलित होते हैं (deviate) कि उनके लिए एक विशेष शिक्षा की जरूरत होती है, जिससे अपनी सामाजिक और शैक्षिक क्षमता का पूरी तरह विकास कर सकें।" "The term exceptional children refers to those children who deviate from the normal in physical, mental, emotional and social characteristics to such a degree that they require special social and educational services to develop their maximum capacity". (1977-P. 10-11)
इन परिभाषाओं का विवेचना साधारण हम उन्हें कहते हैं जो

(i) सामान्य या औसत बच्चों से बिल्कुल अलग होते हैं।

(ii) सामान्य या औसत से उनका विचलन उनके व्यक्तित्व के किसी भी पहलू शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक या नैतिक क्षेत्र में या तो सकारात्मक (**positive**) होता है या नकारात्मक (**negative**)

(iii) उन्हें स्वयं तथा वातावरण के साथ अभियोजन में अस्वभाविकता का अनुभव होता है।

(iv) विशिष्ट या असाधारण बालकों का विचलन सामान्य से इस हद तक होता है कि उन्हें विशेष देखभाल (**care**) एवं अलग शिक्षा की आवश्यकता पड़ती है।

(v) अपनी योग्यता या कमी को संभालने के लिए माता-पिता अभिभावकों या प्रशिक्षित शिक्षक की आवश्यकता होती है।

संक्षेप में विशिष्ट बालकों में कुछ ऐसे लक्षण होते हैं, जिसके कारण दूसरे लोग उनकी तरफ आकर्षित होते हैं। ये विशिष्ट बालक (सामान्य से अलग ऊपर या नीचे) कुछ इस प्रकार के व्यवहार या क्रियाएँ करते हैं, जिसके कारण लोगों का ध्यान उनकी ओर आकृष्ट हो जाता है। फलस्वरूप उनकी योग्यता या समस्या इतनी महत्वपूर्ण हो जाती है कि उन्हें विशेष शिक्षा या दूसरी सेवाओं की जरूरत पड़ती है। इनके स्वरूप, गुण, विचित्रताओं एवं अभियोजन के आधार पर मनोवैज्ञानिकों ने विशिष्ट या असाधारण बालकों के कई प्रकार बताये जाते हैं

(i) शारीरिक एवं स्वास्थ्य क्षति से ग्रसित बालक (**children with physical and health impairment**)

(ii) दृष्टि क्षति या दोष से ग्रसित बालक (**Visually impaired or handicapped children**)

(iii) श्रवण दोष से ग्रसित बालक (**Aurally handicapped or hearing impaired children**)

(iv) अस्थि दोष से ग्रसित या पंगु बालक (**orthopaedically impaired or crippled children**)

(v) भाषा दोष से ग्रसित बालक (**Speech handicapped or impaired children**)

(vi) शिक्षण असमर्थता से ग्रसित बालक (**Learning disabled children**)

(vii) व्यवहार रोग से ग्रसित बालक (**Children with behaviour disorder**)

(viii) प्रतिभाशाली बच्चे (**Gifted children**)

(ix) मानसिक रूप से मंद बालक (**Mentally retarded or disabled children**)